वर्ष :: 34 अंक : 44
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 34 वां वर्ष

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 04 अगस्त, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झारखंड में जलजला

मानसून की बाढ़... रांची व बोकारो समेत पूरे राज्य में भारी बारिश से तबाही, पुल-पुलिया बहे, दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता

रांची/बोकारो : पूरे जून महीने सुखाड़ और जुलाई में फीका रहने के बाद मानसून ने अगस्त की शुरूआत में ही अपनी रही-सही कसर पूरी कर दी। मानसून ने अपना खूब दम दिखाया। ऐसा कि एक-दो दिन में पिछले लगभग एक दशक का रिकार्ड टूट गया और हर तरफ पानी ही पानी हो गया। घर, सड़क, बाजार, खेत, खलिहान सब पानी में तर-बतर हो गए और रांची सहित कई जिलों में बाढ़ से हालात आ गए। हर तरफ पानी का सैलाब जलजला की तरह आया। रांची में पहली बार राहत एवं बचाव के लिए एनडीआरएफ को उतरना पड़ा। लगातार बारिश के कारण शहरी क्षेत्र के मुख्य पथों से लेकर गली-मोहल्ले जलमग्न हो गए हैं। कई अपार्टमेंटों के बेसमेंट में पानी भरा गया। चारपहिया वाहन डूब गए। रांची की रफ्तार थम-सी गई।

भारी बारिश के कारण शुक्रवार को पिस्का मोड़ के पास दीवार गिरने से जहां एक स्कूली छात्र अश्विनी की मौत हो गई, वहीं बोकारो में गोमिया-ललपनिया पुल के बह जाने से ढेंढे निवासी भौरी लाल प्रजापति की बहकर मौत हो गई। रांची में हरमू नदी पार करने के दौरान भैंस के चार बच्चे बह गए। लालपुर थाना के समीप सड़क तालाब में परिवर्तित हो गई। कडरू-हिंदपीढ़ी मार्ग को जोड़ने वाले मार्ग पर हरमू नदी की जलधारा का प्रवाह काफी तेज हो गया है। बारिश के कारण दुमका-देवघर के बीच रेल परिचालन प्रभावित हुआ। बासुकीनाथ रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर पानी भर गया। बीसीसीएल, ईसीएल और सीसीएल की कई पोखरिया खदानें जलमग्न हो गईं। कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ है। विमान सेवा भी प्रभावित हुई।

इधर, बोकारो थर्मल स्थित छठ घाट पर बना लोहा का पुल पानी में डूब गया। पुल से चार फीट ऊपर पानी का बहाव जारी था। पुल पर पानी चढ़ने के कारण बोकारो थर्मल-गंझूडीह-गोमिया मार्ग पर तथा छिलका पुल मार्ग पर छोटे बड़े वाहनों का परिचालन ठप हो गया था। शनिवार की सुबह पानी का स्तर कम होने पर परिचालन आरंभ हुआ। दूसरी ओर, कोनार नदी पर पावर प्लांट का पानी के लिए बनाये गये ब्रिज का बारह एवं सोलह नंबर दो गेट शुक्रवार की रात्रि पानी का जलस्तर बढ़ने पर तेज धार में बह गया। पानी की तेज धार में वही दोनों गेट फिर से बह **(शेष पेज- 7 पर)**

तेनु डैम फुल, खोले गए गेट; अलर्ट

जिले में हो रही लगातार बारिश के कारण तेनुघाट डैम में सालभर का कोटा दो दिन की बारिश में ही फुल हो गया। डैम के आठ रेडियल गेट खोल दिए गए। जिले के सभी जलाशय भी लबालब भर गए। बोकारो में दो दिनों में 115.2 एमएम बारिश हुई। जानकार बताते हैं कि सात में पहली बार अगस्त माह में तेनुडैम के आठ गेट खोले गए। प्रति घंटा डेढ़ से 2 फीट पानी डैम में बढ़ने लगा है। 8 फाटक खोलने से लगभग 1 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा है। डैम में पानी स्टोरेज की क्षमता 852 फीट से 882 फीट तक है, जो खतरे का निशान माना जाता है। बारिश से पहले 843 फीट पानी था, लेकिन बारिश के बाद 860 फीट से अधिक हो गया है। नदी के किनारे नहाने वाले को हिदायत दी गई है कि जानवरों सहित कोई भी व्यक्ति नदी में न जाएं, जिससे कोई नुकसान हो। साथ ही, नदी के किनारे रहने वालों को हिदायत दी गई है कि अपने सामानों के साथ सुरक्षित जगहों पर चले जाएं।

गरगा डैम के भी फाटक खुले, जगह-जगह जलजमाव

बोकारो में शुक्रवार को हुई भारी बरसात के बाद से चास-बोकारो के कई स्थानों में जलजमाव के कारण स्थिति नारकीय बनी हुई है। वहीं गरगा नदी में डैम का दो गेट खुलने के बाद बारी कोआपरेटिव स्थित छोटी पुलिया के ऊपर से ही पानी बह रहा है। वहीं आदर्श कॉलोनी के समीप गाय घाट के डूबने की वजह से सड़क ही पानी में डूब गई। राणा प्रताप कालोनी, कुंवर सिंह कालोनी, गुजरात कालोनी, भोजपुर कालोनी, कैलाश नगर तथा भर्रा बस्ती के समीप के नदी के किनारे बसे हुए लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। भर्रा पुल के पानी में डूबने की वजह से भर्रा में रहने वाले लोगों का विकास नगर होकर आवाजाही करना पड़ रहा है। वहीं राम नगर कालोनी, कृष्णा नगर सहित अन्य इलाकों में बरसात का पानी लोगों में घरों में भी घुस गया।

पुल टूटने के साथ टूटा 50 हजार लोगों की आबादी का संपर्क

गोमिया-ललपनिया पुल के टूटने से 10 पंचायतों की 50 हजार लोगों की आवाजाही ठप हो गई। 2012 में पुल का निर्माण शुरू हुआ था, पुल निर्माण कार्य 2013 में पूरा हो गया था। ग्रामीणों ने बताया कि पुल के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण काम नहीं होने से यह हादसा हुआ है। 2012 में पुल निर्माण कार्य हुआ था, 2013 में पुल निर्माण कार्य पूरा हुआ था। दस वर्ष के अंतराल में पुल टूटना जांच का विषय है। सियारी पंचायत के मुखिया रामबृक्ष मुर्मू ने बताया कि पुल टूटने से लगभग 50 हजार आबादी वाले 10 पंचायत के ग्रामीण का आवागमन बाधित हो गया है। बोकारो जिला परिषद की अध्यक्ष सुनीता देवी ने पुल का निर्माण करने वाली कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र का पुल की आयु लगभग 50 वर्ष होती है, लेकिन इतना जल्दी टूट जाना जांच का विषय है। उन्होंने निर्माण के समय के अधिकारी को निलंबित करने तथा संवेदक को काली सूची में डालने की मांग की। इधर, गोमिया विधायक डा. लंबोदर महतो ने कहा कि महज 10 साल में पुल टूट गंभीर बात है। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए तथा संलिप्त अधिकारी पर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर में घुसा पानी, 7 साल बाद बाढ़ जैसे हालात

रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध सिद्ध पीठ के मंदिर में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। मंदिर परिसर के भीतर पानी घुस गया है। काली मंदिर जाने के रास्ते पर भी पानी भर गया है और मां छिन्नमस्तिके मंदिर के सीढ़ियों के ठीक नीचे तक पानी पहुंच गया है। बलि-स्थल, मुंडन स्थल, वीआईपी गेट सहित मंदिर का कार्यालय भी डूब गया है। कीयू कॉम्प्लेक्स, रीसाइकलिंग प्लांट, तांत्रिक घाट पानी में डूबा हुआ है। वर्ष 2017 के बाद रजरप्पा मंदिर के आसपास पहली बार बाढ़ जैसे हालात बने हैं। इधर, मंदिर न्याय समिति लगातार माइकिंग कर लोगों को अलर्ट कर रही है। वहीं, सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों को नदी किनारे जाने और सेल्फी लेने से मना किया जा रहा है। दामोदर- भैरवी का जलस्तर लगातार बढ़ते जा रहा है। भैरवी में आई बाढ़ के कारण मंदिर और नदी से सटे बस के सैकड़ों दुकानें पानी में बह गई और इसके अंदर रखे सामान भी बर्बाद हो गए। भैरवी नदी पर बना छिलका पुल पूरी तरीके से पानी में डूब गया है।

– संपादकीय –

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने हिन्दू पक्ष की ओर से स्वामित्व को लेकर दाखिल सिविल वादों को पोषणीय माना तथा मस्जिद पक्ष की अर्जियां खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की कोर्ट द्वारा पारित आदेश को मंदिर पक्ष के अधिवक्ताओं ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। अब मामले में अगली सुनवाई 12 अगस्त से होगी। मंदिर पक्ष के अधिवक्ता सौरभ तिवारी का कहना है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मामले में मंदिर पक्ष की बड़ी जीत हुई है। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की एकल पीठ ने शाही ईदगाह मस्जिद ट्रस्ट का आवेदन खारिज कर दिया है। हालांकि, मस्जिद पक्ष की ओर से इस निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दिए जाने के संकेत दिए गए हैं। मस्जिद पक्ष की तरफ से प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट, मियाद कानून और वक्फ संपत्ति होने के आधार पर यह कहा गया था कि सिविल कोर्ट को वाद सुनने का अधिकार नहीं है। जबकि, मंदिर पक्ष ने इन आपत्तियों को निराधार बताया था। कोर्ट ने 31 मई 2024 को बहस पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित कर लिया था, परंतु मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता महमूद प्राचा ने सुनवाई के अधिकार की मांग की। इसे स्वीकार कर छह जून को भी मामला सुना गया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट मथुरा सहित 18 पक्षकारों ने वाद दायर किया था। जिला न्यायालय, मथुरा से इन वादों को मंगाकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में चलाए जाने का आदेश 26 मई 2023 में हाईकोर्ट ने ही दिया था। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उक्त याचिका पर कोई स्थगन-आदेश नहीं दिया। इसके बाद उच्च न्यायालय इलाहाबाद में सुनवाई हुई। इस मामले की पहली सुनवाई 18 अक्टूबर 2023 को की गई थी। दरअसल, 14 दिसंबर 2023 को उच्च न्यायालय ने विवादित सम्पत्ति के सर्वे के आदेश दिए थे। इसके खिलाफ फिर मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका की। उनका कहना था कि आदेश 7 नियम 11 वाद की पोषणीयता को लेकर प्रार्थना पत्र हाईकोर्ट में विचाराधीन है। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग का हवाला देते हुए मामले में स्टे लगाने की की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट को कार्यवाही को जारी रखने के आदेश दिया। दरअसल, हिन्दू पक्षकारों की दलील थी कि ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ का एरिया भगवान श्रीकृष्ण विराजमान का गर्भगृह है। यहां मंदिर तोड़कर मस्जिद का अवैध निर्माण किया गया है। जबकि, मुस्लिम पक्षकारों ने कोर्ट में दलील दी थी कि इस जमीन पर दोनों पक्षों के बीच 1968 में समझौता हुआ है। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। लिहाजा, मुकदमा चलने योग्य ही नहीं है। उनका यह भी कहना था कि 15 अगस्त 1947 के दिन जिस धार्मिक स्थल की पहचान और प्रकृति जैसी है, वैसी ही बनी रहेगी। परन्तु इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी सारी दलीलें खारिज कर दी। सच्चाई भी यही है कि विदेशी आक्रांताओं ने भारत में सैकड़ों मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदें बनवाई। सुप्रीम कोर्ट ने भी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को तोड़कर वहां बाबरी मस्जिद बनाए जाने की पुष्टि की और अंततः सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में आज श्रीराम मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। ऐसे में इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला हिन्दू पक्षकारों के लिए निश्चय ही महत्वपूर्ण है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

आदिवासी समाज में नवाचार : विकास और सशक्तिकरण की दिशा में पहल

- पूर्णेन्दु पुष्पेश -
वरिष्ठ पत्रकार, बोकारो।

भारत विविधता और सांस्कृतिक धरोहरों का देश है, जिसमें आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण स्थान है। आदिवासी समाज अपने विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन शैली के लिए जाना जाता है। आधुनिकता की लहर और विकास की दौड़ में आदिवासी समाज भी नवाचार के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। यह लेख आदिवासी समाज में नवाचार की महत्ता, इसकी आवश्यकता, चुनौतियाँ और इसके द्वारा प्राप्त किए गए लाभों पर प्रकाश डालता है।

आदिवासी समाज पारंपरिक रूप से प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन यापन करता आया है। हालांकि, बदलते समय और बाहरी प्रभावों के कारण, उन्हें भी आधुनिकता की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। नवाचार, यानि नए विचारों, तकनीकों और पद्धतियों का उपयोग, आदिवासी समाज के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है जिससे वे अपनी समस्याओं का समाधान कर सकें और समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

आदिवासी समाज में आर्थिक विकास के लिए नवाचार की आवश्यकता है। आदिवासी क्षेत्र प्रायः कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प पर निर्भर होते हैं। आधुनिक कृषि तकनीक, पशुपालन के नए तरीके और हस्तशिल्प में नवीनता लाकर उनकी आय में वृद्धि की जा सकती है। उदाहरण के लिए, झारखंड के आदिवासी किसान आधुनिक सिंचाई तकनीक और जैविक खेती का उपयोग करके अधिक फसल उत्पादन कर रहे हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर शिक्षा को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया जा सकता है। मोबाइल एप्स, ऑनलाइन कोर्स और ई-लर्निंग प्लेटफार्म के माध्यम से आदिवासी युवाओं को शिक्षा प्रदान की जा रही है। उदाहरण के लिए, ओडिशा में आदिवासी बच्चों के लिए डिजाइन किए गए विशेष ई-लर्निंग प्रोग्राम्स उनकी शिक्षा में मददगार साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार से

आदिवासी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हो सकती हैं। टेलीमेडिसिन, मोबाइल क्लीनिक और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा रही हैं। मध्य प्रदेश में आदिवासी महिलाओं के लिए चलाए जा रहे मोबाइल हेल्थ क्लीनिक कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

आदिवासी समाज में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करके फसल उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आदिवासी किसान बायोगैस तकनीक का उपयोग कर जैविक खाद का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उनकी फसलें अधिक उपजाऊ हो रही हैं। इसके अलावा, आधुनिक सिंचाई तकनीक और जल प्रबंधन के माध्यम से जल संरक्षण और कृषि उत्पादन में सुधार किया जा रहा है।

आदिवासी हस्तशिल्प कला और संस्कृति का अभिन्न अंग है। आधुनिक डिजाइन और मार्केटिंग तकनीकों का उपयोग कर आदिवासी हस्तशिल्प को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाई जा सकती है। राजस्थान के भील आदिवासी अपने पारंपरिक चित्रकला में नए रंग और डिजाइन जोड़कर उसे विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफार्म का उपयोग कर वे अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुँचा रहे हैं।

आदिवासी समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। मोबाइल एप्स, ऑनलाइन कोर्स और ई-लर्निंग प्लेटफार्म के माध्यम से आदिवासी युवाओं को शिक्षा प्रदान की जा रही है। उदाहरण के लिए, ओडिशा में आदिवासी बच्चों के लिए डिजाइन किए गए विशेष ई-लर्निंग प्रोग्राम्स उनकी शिक्षा में मददगार साबित हो रहे हैं। डिजिटल कक्षाओं और स्मार्ट स्कूलों की स्थापना से भी शिक्षा का स्तर बढ़ाया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार से आदिवासी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हो सकती हैं। टेलीमेडिसिन, मोबाइल क्लीनिक और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा रही हैं। मध्य प्रदेश में आदिवासी महिलाओं के लिए चलाए जा रहे मोबाइल हेल्थ क्लीनिक कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

आदिवासी क्षेत्रों में नवाचार के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है। नवाचार के लिए पर्याप्त वित्तीय समर्थन की आवश्यकता होती है, जिसे प्राप्त करना आदिवासी समुदायों के लिए कठिन हो सकता है। सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को इस दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है।

नवाचार के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण आवश्यक है। आदिवासी समाज में शिक्षा का स्तर अपेक्षाकृत कम है, जिससे उन्हें नवाचार को अपनाने में कठिनाई हो सकती है। शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासी युवाओं को नवाचार के लिए तैयार करना आवश्यक है।

आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराएँ होती हैं। नवाचार के लिए इन परंपराओं को समझना और सम्मान देना आवश्यक है। सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के लिए सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

आदिवासी समाज में नवाचार विकास और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने, आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करने में सहायक है। हालांकि, इसके लिए वित्तीय संसाधनों, शिक्षा और प्रशिक्षण, और सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता है। सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों को मिलकर आदिवासी समाज में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास करना चाहिए, ताकि वे भी विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकें और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखते हुए आगे बढ़ सकें। *(यह लेखक के निजी विचार हैं।)*

मोरे मन को न भाए

सुन रे! कोयल, तेरी कूक मोरे श्रवण को
न भाए, न भाए रे।
गीत के सिवाय तेरे खानदान को कुछ
न आए, कुछ न आए रे।

है तू महा आलसी और कर्महीन खुद के
काम से जी चुराए।
जनम-जनम से है तू स्वार्थी, भूल से भी
एक तिनका न उठाए।
दे धोखा काग को, उसके कोटर में चुपके
से तू घुस जाए।
उसके अंडे नीचे गिरा, वहां कोयलिया
अपने अंडे रख आए।

न कभी अपने अंडे सेता, न श्रम कर
चूजे को चुगाता दाना।
तू पहले से ही बना लेता अपने निज
स्वार्थ का ताना-बाना।

सुनाता है बड़ी लगन से अपने पंचम सुर
का कुहुक गाना।
खेद, श्रमी कौआ के कांव-कांव पर
ढेला मारता जमाना।

ऐसे स्वार्थी प्राणी के गुणों को यह दुनिया
क्यों सराहे रे।
सुन रे! नर कोयल, तेरी कूक मोर मन
को न भाए, न भाए रे।

काग, तेरी हिम्मत को नमन, जो अपना
घोंसला तू खुद बनाता।
बरगद के बीज, पेट में पचा,
बीट द्वारा सुदूर बो आता।

कोयल तू अपने श्याम रंग से हो लज्जित,
पत्तों में छुप जाता।
पर उसी रंग पर नाज कर कौआ, कभी न
हीन भावना लाता।
है उनमें एकता इतनी, देख भोजन वे
साथी को बुलाते।
कर कांव-कांव सभी एक साथ शाही
दावत हो जैसे उड़ाते।

काग अपने साथी के घायल होने पर,
एक हो शोर मचाते।
छत की मुंडेर पर बैठ, वे अतिथि
आगमन का संदेश सुनाते।

पक्षियों में कागा, सामाजिक प्राणी, पितृपक्ष
में सम्मान पाए रे।
सुन रे कोयल, तेरी कूक मोर श्रवण को
न भाए, न भाए रे।

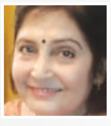

- डॉ.सविता मिश्रा मागधी -
बेंगलुरू

लचर सिस्टम ने फ्लॉप कर डाली मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना

सर्वर ने किया सब गड़बड़, अफरा-तफरी के बीच महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत

संवाददाता

बोकारो : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य की मां-बहनों के लिए लांच की गई महत्वाकांक्षी योजना बोकारो में शुरूआत के साथ ही लड़खड़ा गई। कहीं तकनीकी खराबी वजह रही तो कहीं अधिकारियों की शिथिलता। ज्यादातर जगहों पर सर्वर ने सब गड़बड़ कर दी और शुरूआत भारी अफरातफरी की बीच हुई। जिले के सभी शिविर में फॉर्म लेने के लिए महिलाओं की भीड़ एकत्रित हो गई। जिला प्रशासन ने एक आंगनबाड़ी सेविका को प्रथम चरण में मात्र एक सौ फॉर्म दिया था, जो नाकाफी रहा। वहीं आवेदन को ऑनलाइन करने के लिए ऑपरेटरों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। शुरू-शुरू में सर्वर नहीं चलने के लिए ऑपरेटर परेशान रहे। वहीं सभी जगह नेटवर्क सही नहीं रहने के कारण भी लोगों को काफी परेशानी हुई। कई जगह तो सर्वर नहीं चलने के कारण रिजल्ट शून्य रहा। सभी आवेदक का केवाईसी करने की अनिवार्यता के कारण ऑपरेटरों परेशान दिखे।

इसमें आवेदक को स्वयं रहना अनिवार्य था। पहले दिन चास प्रखंड के हैसाबातू में एक भी आवेदन ऑनलाइन नहीं होने की बात लोगों ने बताई। जबकि सर्वर नहीं चलने के कारण कोलबेंदी पंचायत के भी आवेदन दिन एक बजे तक पेंडिंग रहा।

चास नगर निगम में लगाए गए शिविर में अधिकारियों के नहीं पहुंचने से महिलाएं काफी आक्रोशित हुईं। सर्वर नहीं चलने के कारण आवेदन ऑनलाइन नहीं हो पाया। कसमार प्रखंड के बगदा पंचायत भवन में झारखंड मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना के आवेदन करने के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ी। लेकिन सर्वर स्लो आवेदन ऑनलाइन नहीं हो पाया। कसमार प्रखंड में कुल 1677 आवेदन आए इसमें से 15 आवेदन ही ऑनलाइन हो सका। तुपकाडीह में भी शुरूआती दौर में दो-चार लाभुकों का काम हुआ, परंतु कुछ ही देर बाद सर्वर कमजोर रहने के कारण सैंकड़ों लाभुकों को घर वापस लौटना चंदनकियारी, चास सहित सभी शिविर में आवेदकों की भीड़ लगी रही, लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण लोग आशा में बैठे रहे। इसी प्रकार, भोजूडीह पूर्वी, पश्चिमी, अमलाबाद समेत अन्य पंचायतों में आयोजित शिविर में आवेदकों की भीड़ रही, लेकिन यहां एक भी आवेदकों का आवेदन ऑनलाइन नहीं हो सका। आलम यह रहा कि पहले दिन जिले में मात्र 125 आवेदन को ऑनलाइन किया गया। पड़ा।

5 लाख, 52 हजार, 351 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य

उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक नई योजना की शुरुआत की है। यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। योजना के तहत जिले के 05 लाख 52 हजार 351 महिलाओं को जोड़ना है। इसके लिए आगामी 03 से 10 अगस्त तक सभी पंचायत सचिवालयों एवं शहरी क्षेत्र के वार्डों में शिविर लगेगा। चंदनकियारी प्रखंड को 57,759, चास प्रखंड को 1,15,085, जरीडीह प्रखंड को 27,150, कसमार प्रखंड को 23,343, पेटरवार प्रखंड को 39,494, बेरमो प्रखंड को 26,460, गोमिया प्रखंड को 62,253, नावाडीह प्रखंड को 38,224, चंद्रपुरा प्रखंड को 33,437, चास प्रखंड को 52,376, बीएस सिटी को 53,530, फुसरो नगर परिषद को 23,240 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकारी शिथिलता से नहीं चालू हो पा रहा बोकारो हवाई अड्डा

विधायक बिरंची नारायण ने मानसून सत्र में मामला उठाया, सीएम का सकारात्मक आश्वासन

संवाददाता

बोकारो : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने बोकारो एयरपोर्ट का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट बनकर तैयार है और सभी उपकरण और संयत्र जैसे एटीसी, फायर फाइटिंग सिस्टम आदि लग चुके हैं, भारत सरकार ने सभी काम कर दिया है, अब जो भी काम बचे हैं, जैसे एनवायरमेंटल क्लियरेंस, पॉल्यूशन क्लीयरेंस, एक और एसीएफटी वाहन, एम्बुलेंस यह सब राज्य सरकार का काम है।

इसके कारण उड़ान शुरू नहीं हो पा रहा है। उड़ान शुरू करने के लिए सतनपुर पहाड़ी पर उच्च तीव्रता वाले फ्लैश लाइट आदि की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए बिरंची नारायण ने कहा कि सरकार सभी काम पूरे करे, ताकि बोकारो से उड़ान शुरू हो सके और इसका लाभ बोकारो सहित आसपास के जिला के लोगों को भी मिल सके। विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद बिरंची नारायण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले व बोकारो हवाई उड़ान के लिए व्यक्तिगत रुचि लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि इस मामले का जल्द समाधान निकालेंगे। इस मामले में सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि बोकारो हवाई अड्डा का निर्माण भारत सरकार की आरसीएस योजना के तहत किया जा रहा है।

इसका इंप्लीमेंटिंग एजेंसी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण है तथा संचालन सेल बोकारो किया जा रहा है। इसलिए हवाई अड्डा से नियमित उड़ान शुरू करने के लिए लाइसेंस के लिए सेल द्वारा डीजीसीए भारत सरकार को आवेदन दिया गया है, जो प्रक्रियाधीन है।

इसके अलावा राज्य सरकार से संबंधित शेष कार्यों जैसे एनवायरमेंटल क्लियरेंस, पॉल्यूशन क्लियरेंस, एक और एसीएफटी वाहन की तैनाती, उड़ान अवरोध दूर करने के लिए सतनपुर पहाड़ी पर फ्लैश लाइट आदि के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया जा चुका है।

सरोकार | पोशाक से लेकर सारी सुविधाएं भी, बाबा धाम और वैष्णो देवी दर्शन की भी योजना

कांवरियों को मात्र एक रुपए में चिड़का धाम का दर्शन कराएगी युवा लायंस फोर्स

संवाददाता

बोकारो : युवा लायंस फोर्स केंद्रीय कमेटी की बैठक शनिवार को बोदरो स्थित आवासीय कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता नरेश शर्मा ने की तथा संचालन जाफर अंसारी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा मौजूद थे। श्री शर्मा ने का कि हर साल की भांति इस साल भी युवा लायंस फोर्स द्वारा मात्र एक रुपए में बोल बम के जत्थे को बाबा (महादेव) का दर्शन कराया जाएगा। आगामी 11 अगस्त (रविवार) को मात्र एक रुपये में सभी श्रद्धालुओं को पोशाक, गमछा, कांवर के अलावा वाहन, चिकित्सा, खाना-पीना आदि की सुविधाओं के साथ रवाना किया जाएगा।

12 वर्षों से की जा रही बोल बम जत्थे की सेवा

देव ने कहा कि पिछले 12 सालों से वह ये सेवाएं दे रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि जो ग्रामीण या दूरदराज क्षेत्रों के लोग पैसे के अभाव में बाबा का दर्शन नहीं कर पाते हैं, उन्हें सही-सलामत, मान-सम्मान के साथ बाबा के दर्शन कराकर वापस लाया जा सके। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 11 अगस्त को बोदरो स्थित शिव मंदिर से हजारो शिव भक्त गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए दामोदर नदी तक जाएंगे। वहां से जल उठाकर सभी शिव भक्त चिड़का धाम के लिए रवाना होंगे।

हरेक किलोमीटर पर लगेगा सेवा शिविर

श्री शर्मा ने बताया कि चिड़का धाम जाने वाले रास्ते में हरेक किलोमीटर पर युवा लायंस फोर्स द्वारा सेवा शिविर की व्यवस्था की जाएगी। इसमें फल, रसगुल्ले, चाय, पानी, दवा आदि जरूरत की सभी चीजें शामिल रहेंगी। इसके बाद सभी शिवभक्तों को पूजा कराने के बाद वाहनों से लाने का भी काम किया जाएगा। देव शर्मा ने कहा कि अगर भोले बाबा की कृपा हुई तो अगले साल से हम लोग देवघर, वैष्णो देवी माता के दरबार में भी ले जाने का प्रयास करेंगे। देव ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से साथ चलने की अपील की। बैठक में बड़ी संख्या में युवा लायंस फोर्स के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगीत आनंद व शांति का सबसे अच्छा माध्यम : डॉ. गंगवार

नृत्य-संगीत से डीपीएस बोकारो में उतरी रही बहुरंगी छटा

संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों की कलात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो की सीनियर इकाई में चार-दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव - तरंग का आयोजन किया गया। पहले दिन अंतर सदन आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय शास्त्रीय रागों पर आधारित अपनी प्रस्तुतियां दीं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जमुना सदन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चेनाब को दूसरा एवं रावी को तीसरा स्थान मिला। दूसरे दिन अंतर सदन समूह-नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने भारत की सांस्कृतिक, पारंपरिक व कलात्मक विविधता की बहुरंगी छटा बिखेरी। जमुना एवं रावी हाउस को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। गंगा एवं चेनाब हाउस संयुक्त रूप से दूसरे तथा झेलम और सतलज सदन की टीमें साझा तौर पर तृतीय स्थान पर रहीं। तीसरे दिन बच्चों ने अंतर सदन समूह तबलावादन में तीन ताल के विभिन्न स्वरूपों का उन्होंने जहां मनोरम प्रस्तुतीकरण किया, वहीं भजन थीम पर आयोजित एकल-गान प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति के जरिए भक्तिरस की सरिता प्रवाहित कर दी। तबलावादन में जमुना हाउस की टीम पहले स्थान पर रही। जबकि, एकलगान में गंगा हाउस के गुरशोभ सिंह बिन्द्रा और सतलज की गुन पाठक ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। चौथे दिन सावन की कजरी और मेघ मल्हार की सुरीली तान छेड़कर प्रतिभागियों ने सबकी भरपूर सराहना बटोरी। सावन थीम पर आयोजित समूगान प्रतियोगिता में सतलज एवं झेलम सदन को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इस उत्सव की सफलता पर बधाई देते हुए संगीत की महत्ता रेखांकित की। कहा कि संगीत मानसिक व शारीरिक शांति का सबसे उत्तम माध्यम है। यह आनंद और प्रसन्नता देता है। उन्होंने समग्र विकास के लिए अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया।

'कोई भी बच्चा भूखा न सोए' की सोच को साकार कर रही वेदांता ईएसएल स्टील

सामाजिकता... सीईओ व कर्मचारियों ने नंद घर के बच्चों संग बांटी खुशियां

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सियालजोरी स्थित वेदांता समूह की कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड कंपनी वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की परिकल्पना को साकार कर रही है, जिसमें उन्होंने कहा है कि, कोई भी बच्चा भूखा न सोए और उसे पौष्टिक भोजन तथा संपूर्ण विकास मिले। इसे अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक आशीष कुमार गुप्ता, सीएसआर, ईआर एवं पीआर प्रमुख आशीष रंजन, लॉजिस्टिक्स; एमएस प्रमुख रवीन्द्र कुमार धींग, नीति एवं व्यवसाय संवर्धन प्रमुख दिव्या त्रिपाठी एवं ईएसएल स्टील लिमिटेड में सीएसआर के उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा ने सिंदूरपेटी स्थित नंद घर का दौरा कर वहां के बच्चों के साथ खुशियां साझा की।

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक आशीष कुमार गुप्ता ने कहा कि अपने आस-पास के समुदायों के विकास और उनकी खुशहाली के लिए वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के प्रति हमारा समर्पण, हमारे परिचालन से कहीं आगे तक फैला हुआ है। विभिन्न सीएसआर पहलों और मजबूत स्वयंसेवी कार्यक्रमों के माध्यम से हमारा कार्य-बल समाज की बेहतरी और उन्हें समृद्ध बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि वेदांता समूह की कई पहलों में से एक- 'खाना खाए क्या...?' अभियान को आंदोलन के रूप में चलाया जा रहा है, जिसमें वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की परिकल्पना को हम साकार कर रहे हैं। अनिल अग्रवाल की यह सोच कि- कोई भी बच्चा भूखा न सोए, उसे पौष्टिक भोजन और संपूर्ण विकास मिले, इसे योजना के माध्यम से साकार किया जा रहा है। आज यह अभियान निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय व अनूठा प्रतीक बन गया है। उन्होंने इस आंदोलन में देश के नागरिकों से भी सहयोग की अपील की।

सीईओ ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि ईएसएल स्टील लिमिटेड के कर्मचारी संयंत्र के आसपास और चास, चंदनकियारी तथा नवाडीह के गांवों में संचालित नंद घरों में अपना समय स्वेच्छा से देने के अलावा उदारतापूर्वक दान भी कर रहे हैं। कर्मचारियों ने समय निकाला है और अब तक नंद घरों में बच्चों के साथ खेलकर और उनके साथ मनोरंजक गतिविधियों, मोटर कौशल अभ्यास, रंग/ड्राइंग गतिविधियों में शामिल होकर खुशी फैलाने के लिए कई सत्र आयोजित किए हैं। हम यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रयास से कोई भी बच्चा भूखा न सोए। इसी पहल के तहत हम बच्चों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने इस पहल का अनुभव लेने के लिए लोगों से नंद घरों का दौरा करने और स्वेच्छा से समय बिताने के लिए भी आमंत्रित किया।

वन्य-जीवों के अंगों के सौदागरों पर कसा शिकंजा

बोकारो : बोकारो वन प्रमंडल में 05 जगहों पर छापेमारी की गई, जिसमें वन्य जानवरों का शिकार कर ट्रॉफी के रूप में रखे गए विभिन्न प्रकार के वन्यजीव अंगों को बरामद किया गया, जिसकी अवैध बिक्री हो रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर बोकारो वन प्रमंडल के प्रशिक्षु अधिकारी संदीप कारभरी शिंदे, भा.व.से. ने अपनी चास टीम को छापेमारी के लिए सूचना दी और उनके द्वारा चास एवं पेटरवार में कुल पांच जगहों पर छापेमारी की गई। इस क्रम में करीब 120 हत्था जोड़ी (गोह प्राणी का लिंग), हाथी तथा सियार की हड्डियां, कस्तूरी, विभिन्न प्राणी की चमड़ी तथा साही के कांटे जब्त की गई। उक्त छापेमारी में ज्यादातर पूजा भंडार शामिल हैं, जिनके पास यह सामग्री पाई गई, जिनका उपयोग काले जादू के लिए किया जाता है।

बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, भा.व.से.ने इस संबंध में कहा कि जांचोपरांत छह अभियुक्तों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत जिला न्यायालय, बोकारो में मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें 03 से 07 साल तक की सजा का प्रावधान है। गिरोह का पदार्फाश करने में प्रभारी वनपाल रूद्र प्रताप सिंह, वनरक्षी रतन राय एवं भगवान दास हेम्ब्रम की मुख्य भूमिका रही।

ग्राम आजीविका योजना स्थाई आजीविका को बढ़ावा दे रहा डालमिया भारत फाउंडेशन

झाड़ू से अपनी किस्मत का आंगन संवार रहीं महिलाएं

संवाददाता

बोकारो : स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए भारत की अग्रणी सीमेंट कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) शाखा, डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) ने एक बार फिर बोकारो के गोराबाली (उत्तर) पंचायत के मंझलाडीह गांव में झाड़ू-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने ग्राम परिवर्तन परियोजना के हिस्से के रूप में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदायों को ऐसे कौशल के माध्यम से सशक्त बनाना है, जो आय उत्पन्न कर सकें और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे सकें।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 दिनों तक चलेगा और इसका लक्ष्य 30 प्रतिभागियों को इससे लाभान्वित कर उन्हें स्थायी आय सृजन के लिए मूल्यवान कौशल सिखाना है। इसके तहत महिलाएं अपने सुंदर भविष्य के किए अपनी किस्मत का आंगन बुहार कर बहार लाने में लग गई हैं। ि

वदित हो कि लगभग तीन-चार साल पहले भी डालमिया की मदद से गोड़ाबाली की महिलाओं के लिए झाड़ू-निर्माण का प्रशिक्षण शुरू किया गया था। ऐसी महिलाएं, जो कभी शराब बनाया करती थीं, वे झाड़ू-निर्माण से जुड़ीं और सामाजिक बुराई को भी बुहारकर हटा दिया। दर्जनों महिलाएं इस पहल से स्वावलंबी बन सकीं और उनकी पारिवारिक व आर्थिक स्थिति संवर सकी। नई कड़ी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गोराबाली (उत्तरी) के मुखिया बालेश्वर सिंह राठौड़ की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण पूरा करने पर लाभार्थियों के पास कम से कम 6,000 से 7,000 रुपये प्रति माह कमाने का कौशल होगा, जो उनके परिवार की वित्तीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हफ्ते की हलचल

बोकारो स्टील प्लांट के 14 जीएम बने सीजीएम

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के कुल 14 महाप्रबंधकों (जीएम) को मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) के पद पर प्रोन्नति दी गई है। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी ने नव -प्रोन्नत अधिकारियों को प्रमोशन ऑर्डर प्रदान किया। इस अवसर पर बीएसएल के अधिशासी निदेशक, महिला समिति की अध्यक्ष अनिता तिवारी एवं उपाध्यक्ष सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। नव-प्रोन्नत अधिकारियों में बीजीएच से डॉ आनन्द कुमार एवं डॉ अनिंदा मंडल, बोकारो इस्पात संयंत्र से अरुण कुमार, नरेश कुमार बेहरा, प्रकाश कुमार, राजन कुमार, संजीव रंजन सिंह, विजय कुमार, टी एस राजन (चासनाला कोलियरी स्थानांतरण) और हरि शंकर शर्मा (इस्को बर्नपुर स्थानान्तरण) को सीजीएम के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इनके अलावा बीएसएल के कोलियरी डिविजन (सीसीएसओ) के राजीव तिवारी, एसआरयू के असित कुमार पॉल तथा झारखंड ग्रुप माइंस के एस आर पांडा (राउरकेला स्थानांनतरण) को भी सीजीएम के पद पर प्रोनत्ति मिली है। निदेशक प्रभारी बी के तिवारी और अधिशासी निदेशकों ने सभी नव-प्रोन्नत अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

स्व. राकेश सिंह को दी गई सुरमयी श्रद्धांजलि

बोकारो : हाल ही में दिवंगत हुए बोकारो के सुप्रसिद्ध तबला व ढोलक वादक एवं श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल के संगीत शिक्षक राकेश कुमार सिंह को सेक्टर 6 में बोकारो के कलाकारों ने संगीत संध्या के माध्यम से सुरमयी श्रद्धांजलि दी। बोकारो कलाकार संघ के बैनर तले आयोजित इस श्रद्धांजलि संगीत संध्या में संगीतज्ञ राकेश सिंह के साथ ही फिल्म संगीत के प्रख्यात पार्श्वगायक मो रफी को भी कलाकारों ने उनकी पुण्यतिथि पर सुरमयी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बोकारो के मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता, स्व. राकेश सिंह के भैया राजेश कुमार सिंह, सुशील सिंह, बहनोई संजीव कुमार सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य, बोकारो कलाकार संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी व सदस्य, बोकारो के संगीत व अन्य कला विधाओं के जुड़े कलाकार, श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य व शिक्षकगण आदि शामिल हुए।

भक्ति-भाव से मनाया गया चिन्मय आराधना दिवस

बोकारो : स्थानीय चिन्मय विद्यालय में आधुनिक भारत के महान वेदांती स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती का 32 वां आराधना दिवस भक्ति-भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुदेव को समर्पित कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रातः काल तपोवन सभागार में चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती के निर्देशन में विद्यालय के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा एवं उप प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु गुरुदेव की पूजा की एवं उनके पादुका का पूजन किया गया। उनके साथ विद्यालय के उपस्थित शिक्षकों ने चिन्मय अष्टोत्तर शतनाम का पाठ किया और गुरुदेव के चरणों में अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किये।

रोटरी के 'बरखा बहार' ने दर्शकों का मन मोहा

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की लेडीज कमेटी द्वारा श्रावण मास में आई 'बरखा बहार' नामक रंगारंग कार्यक्रम रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के पॉल हैरिस सभागार में आयोजित किया गया। मौके पर कमेटी की अध्यक्षा रोटेरियन अलका गुप्ता के नेतृत्व में कुंजला नारायण, बिन्नी, सीमा गिरि, रो. संध्या, रेवा, रो. रानी रस्तोगी, उर्मिल जैन और रो. अंजू अग्रवाल ने मिलकर अपनी मधुर वाणी में कजरी की प्रस्तुति की। कमेटी अध्यक्षा रोटेरियन अलका गुप्ता और रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने पान खाए सैंया हमार के मधुर गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। चंद्रिमा रे, भवानी शंकर जायसवाल, शीला जायसवाल, घनश्याम दास, नीलम, प्रदीप रे, अलका, खोनेन, बिन्नी आदि ने भी अपनी प्रस्तुतियों से सबका मन मोहा। मुख्य अतिथि, ओएनजीसी के सीडीएम बलबीर सिंह एवं उनकी पत्नी बिंदु सिंह तथा ओएनजीसी के जीएम दिलीप कुमार ने भी अपने विचार रखे। संचालन संध्या व सुनीता ने किया।

घुसपैठ की सियासत में बाहरी-भीतरी की घुसपैठ

विपक्ष पर बरसे हेमंत, तो भाजपाइयों ने भी साधा निशाना

संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति इन दिनों घुसपैठ के रंग में रंगी है। बांग्लादेशी घुसपैठ की चर्चा करते-करते अब यहां के सियासतदां बाहरी-भीतरी का मुद्दा भी सुलगाने में लग गए हैं। वैसे, झारखंड में बाहरी-भीतरी का मामला कोई नया है। कांग्रेस विधायक शिल्पा नेहा तिर्की द्वारा उत्तर भारतीयों की तुलना बांग्लादेशी घुसपैठियों से किए जाने के बयान पर बवाल की शुरुआत हुई। भाजपा नेताओं ने जहां राज्य सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठ को प्रश्रय देने का आरोप लगाया, वहीं खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अप्रत्यक्ष रूप से बाहरी-भीतरी की बात विधानसभा के भीतर कर दी। हेमंत सोरेन ने कहा कि ये लोग झारखंड को विभाजित कर रहे हैं, समाज को विभाजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा- चिंता मत करो, झारखंड ही नहीं, असम में भी आपका सफाया हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग डेमोग्राफी की बात करते हैं। इन लोगों से पूछे कि रांची, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर में आबादी क्यों बढ़ाई? किसके कारण आदिवासियों की संख्या घटी? यह लोग हमारे देश की स्थिति पाकिस्तान से भी खराब कर देंगे। महंगाई का स्तर देख लें। केंद्र में पहले मोदी और भाजपा की सरकार थी। अब केंद्र में बैसाखी की सरकार है। सहायक पुलिसकर्मी को इन्होंने नाजायज तरीके से नियुक्त किया।

इधर, झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का समापन हंगामेदार रहा। जमीन सहित अन्य मामलों को लेकर सरकार से जवाब मांगने की मांग नहीं मानने पर विधायकों ने सदन में खूब बवाल काटा। नतीजतन, अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने 18 विधायकों को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया। इनमें बिरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नारायण दास, केदार हाजरा, किशुन दास, सीपी सिंह, नवीव जायसवाल, अमित मंडल, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, शशिभूषण मेहता, अलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, नीरा यादव, अपर्णा सेनगुप्ता, राज सिन्हा और समरी लाल शामिल थे। इस मामले में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई एजेंडा नहीं है।

झारखंड को नहीं बनने देंगे बंगाल : दुल्लू

धनबाद के भाजपा सांसद दुल्लू महतो ने कहा कि झारखंड को किसी भी कीमत पर बंगाल की तरह नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां बांग्लादेशी घुसपैठ की तादाद बढ़ती जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ निश्चय आवाज उठाई जाएगी। बांग्लादेशी घुसपैठिए जो कहीं के नहीं थे, जिनके पास न अपना आधार कार्ड था, न वोटर कार्ड था, वो सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, घर बनवा रहे हैं। बोकारो में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत के क्रम में सांसद ने कहा - जांच में यह बात साबित हो चुकी है कि बांग्लादेशी घुसपैठ झारखंड में हो रहा है। वो हमारे सनातन धर्म को लगातार कमजोर करते जा रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीबों के साथ उनके द्वारा तरह-तरह का अत्याचार किया जा रहा है। हमारी आदिवासी बहनों को बरगलाकर, उन्हें झांसा देकर, प्रलोभन देकर उनके साथ शादी कर साजिश के तहत वोटर बनने का प्रयास किया जा रहा है और इसके जरिये वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। आज बंगाल की स्थिति यह है कि वहां हिन्दू अल्पसंख्यक हो चुके हैं और मुस्लिम बहुसंख्यक। ऐसा झारखंड में कतई नहीं होने दिया जाएगा। हम अपने हिंदुत्व एवं सनातन धर्म की रक्षा अवश्य करेंगे।

बोकारो में भाजपाइयों ने फूंका कांग्रेस का पुतला

बोकारो : कांग्रेस विधायक शिल्पा नेहा तिर्की द्वारा उत्तर भारतीयों की तुलना बांग्लादेशी घुसपैठियों से किए जाने के बयान को लेकर बोकारो के भाजपाइयों ने आक्रोश व्यक्त किया है। भाजपा बोकारो की ओर से इसे लेकर नया मोड़ में कांग्रेस का पुतला दहन कर उनके बयान की निंदा की गई। बोकारो जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि भाजपा के लिए देश प्रथम है। जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से इस विषय पर उन्होंने रुख स्पष्ट करने को कहा। श्री राय ने कहा कि झारखंड में चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस झामुमो सरकार तुष्टिकरण नीति के तहत चुनाव जीतने के लिए वोट बैंक के नाम पर खतरनाक खेल खेला जा रहा है। राज्य की अस्मिता, धर्म, संस्कृति, परंपरा और संपदा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। संथाल परगना का बंगाल से सटे जिलों और इलाकों की डेमोग्राफी बदल रही है। लैंड जिहाद के नाम पर आदिवासी बेटियों को बहला-फुसलाकर उनसे शादी कर उनकी जमीन जायदाद पर कब्जा किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए देश प्रथम है वहीं, कांग्रेस के लिए वोट प्रथम है। कार्यक्रम का संचालन को-आपरेटिव मंडल के अध्यक्ष मनोज सिंह ने किया। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमलेश राय, दिलीप श्रीवास्तव, लीला देवी, जिला महामंत्री संजय त्यागी, इन्द्र कुमार झा, माथुर मंडल, विनय किशोर, मनोज सिंह, पन्ना लाल कान्दु, बैद्यनाथ प्रसाद, अनिल सिंह, प्रकाश चटर्जी, राजू गुप्ता, विष्णु प्रसाद, राजेश घोषाल, नीरज कुमार, मनीष पाण्डेय, जितेंद्र साव, सरदार देजपाल सिंह, विशाल गौतम, संजय प्रसाद, ललन शर्मा, बुद्धेश्वर घोषाल, उषा कुमारी, मंजू सिंह, प्रभावती देवी, मीरा देवी, रेखा देवी, पूनम देवी, संगीता देवी सहित कई महिला-पुरुष कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड का सीएम भी कोई घुसपैठिया ही बन जाएगा : हिमंता

असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा झारखंड के विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ती जा रही है। डेमोग्राफी का सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि, संथाल परगना में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा हो रहा है। वहां बांग्लादेशी घुसपैठियों का साम्राज्य स्थापित हो रहा है। यदि हालात नहीं सुधारे गये तो आने वाले 20 साल में झारखंड का मुख्यमंत्री भी कोई घुसपैठिया ही बन जायेगा। जमशेदपुर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने ये बातें कहीं। राहुल गांधी के जातिगत जनगणना पर उन्होंने कहा कि सबकी जाति पूछने वाले अपनी खुद की जाति नहीं बता पा रहे हैं। उनको ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है।

सियासत... हो गई सेटिंग, अंतत: जदयू में मिल गई सरयू की धार

नारायण विश्वकर्मा

रांची : आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सेटिंग हो जाने के बाद निर्दलीय विधायक सरयू राय जदयू का दामन थाम लिया। दिल्ली में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा संजय कुमार झा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर श्री राय के कई समर्थक भी मौजूद थे। वहीं संजय कुमार झा ने इस बात की पुष्टि सोशल मीडिया के एक्स के जरिये कहा है कि जदयू परिवार में आपका स्वागत है। झारखंड के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय जी को जदयू की सदस्यता दिलाई। उनके सदस्यता लेने के बाद राजनीतिक दलों में हलचल बढ़ गई है।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उनका पिछले कई दशकों से व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है. मुझे विश्वास है, सरयू राय जी के आने से झारखंड में पार्टी को मजबूती मिलेगी।ह्व मौके पर बिहार सरकार के मंत्री एवं जदयू के झारखंड प्रदेश प्रभारी अशोक चौधरी जी, मंत्री श्रवण कुमार, राज्यसभा सांसद सह जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो, विधान पार्षद संजय गांधी और प्रदेश महासचिव मनीष कुमार मौजूद थे। झारखंड विधानसभा चुनाव में कुछ महीने शेष हैं।

सरयू राय ने 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी का परित्याग कर दिया था। भाजपा के बागी उम्मीदवार बनकर जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ चुनाव लड़ कर जीत दर्ज की। इसके बाद सरयू राय के प्रति केंद्रीय नेतृत्व को यह नागवार गुजरा था।

मुख्यमंत्री को हराने के बाद सरयू राय ने झारखंड की राजनीति में तूफान ला दिया था। अब देखना है सरयू-नीतीश की जोड़ी चुनाव में क्या गुल खिलाती है?

फिर मिठास परोसेगी रीगा चीनी मिल, नीलामी अगले माह

संवाददाता

सीतामढी : विगत चार वर्षों के बाद एक बार फिर जिले की रीगा चीनी मिल मिठास परोसने जा रही रही है। इसके पीछे नवनिर्वाचित सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर का प्रयास रंग लाता दिख रहा है। मिल की एक और नीलामी प्रक्रिया (ई-आक्शन) की तारीख तय हो चुकी है। अब दो सितंबर 2024 को मिल की नीलामी प्रक्रिया होगी। इस बार इसकी सुरक्षित जमा राशि घटाकर 86.50 करोड़ रुपए रखी गई है। इस संबंध में रीगा शुगर कंपनी लिमिटेड के लिक्विडेटर (परिसमापक) नीरज जैन ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। जारी सूचना के अनुसार नीलामी में भाग लेने वाले कंपनियों, उद्योगपतियों को आगामी 16 अगस्त तक 50 लाख रुपए एवं 31 अगस्त 2024 की शाम 5 बजे तक 4.30 करोड़ रुपए जमा करनी है। ई-नीलामी की प्रक्रिया 2 सितंबर 2024 को 12 बजे दिन से शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि रीगा चीनी मिल पिछले 2019-20 पेराई सत्र से ही बंद है। मिल शुरू करने के लिए किसान, किसान संगठन और राजनीतिक दलों ने भी काफी प्रयास किये। यह भी ध्यातव्य है कि जनता दल (यूनाइटेड) के नवनिर्वाचित सांसदों की भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और लोकसभा में पार्टी संसदीय दल के नेता दिलेश्वर कामत के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की थी। इस दौरान सीतामढ़ी सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने प्रधानमंत्री से रीगा चीनी मिल चालू करने के निर्माण पर चर्चा की थी।

मिथिला डायरी

शिवमय बनने का अवसर है श्रावण

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

शिशु जब संसार में आता है तो रोता हुआ आता है एवं जब संसार के पार जाता है, तब भी रोता हुआ जाता है। क्या कारण है इसका? शिशु संसार में आते समय शिव से दूर हो जाता है। इसलिए वह रुदन करता है। संसार में आने के बाद वह इतना अधिक सांसारिक हो जाता है कि शिव को मूल जाता है। इसलिए संसार से जाते हुए वह रुदन करता है कि इतना अच्छा अवसर शिव ने दिया था शिवमय बनने का और इस अवसर का उसने सदुपयोग नहीं किया। इस बात का दुख उसे क्षोभित करता है और वह दुखी होकर इस संसार को छोड़ता है।

लेकिन, क्या शिव जीव को छोड़ते हैं? नहीं! अंत समय में शिव आते हैं जीव को अपनी करुणा में लेने के लिए, क्योंकि जीव शिव से अभिन्न है, वह शिव का अंश था, है और रहेगा।

इसलिए शिव का पूजन, शिव का जप अपने अन्दर स्थित आत्मा का वन्दन है। शिव का पूजन, शिव का जप नहीं किया, तब क्या किया? वेद के अनुसार शिव का उपासक धन्य है।

सर्गादिकाले भगवान् विरिञ्चिरुपास्यैनं सर्गसामर्थ्यमाप्य।
तुतोष चित्ते वाञ्छितार्थांश्च लब्ध्वा धन्यः सोपास्योपासको भवति धाता।

सृष्टि के आदिकाल में ब्रह्मा ने शिव की उपासना की, जिससे ब्रह्मा ने सामर्थ्य एवं मनोवांछित अर्थ पाया। ब्रह्मा की भांति शिव का उपासक सामर्थ्यवान बनकर अपने आश्रितों का कल्याण करता है।

शिव पुराण के अनुसार ब्रह्मा एवं विष्णु दोनों शिव से उत्पन्न हुए हैं। ईश्वर ने अपने को अन्य दो रूपों में बांटा और उन रूपों को संसार बढ़ाने एवं पालन करने का काम दिया।

ब्रह्मा ने मैथुनी सृष्टि रची एवं विष्णु इस सृष्टि का पालन करते हैं, लेकिन दोनों ही देव शिव के सम्मुख नतमस्तक हैं। क्योंकि, शिव अनादि हैं, उनका ओर-छोर दोनों नहीं है। शिव ही परम तत्व हैं। लेकिन परम तत्व क्या है?

एक बार भगवान जाबालि के पास पिप्पलाद के पुत्र पैप्पलाद मुनि गये और उनसे बोले - भगवन्! मुझे परम तत्व का अर्थ बतलाइये। क्या तत्व है, कौन जीव है, कौन पशु है, कौन ईश्वर है और बन्धनमुक्त होने का उपाय क्या है?

पैप्पलाद मुनि हैं, मुनि पुत्र हैं, तो वे अवश्य जानना चाहेंगे कि बन्धन-मुक्त कैसे होंगे?

जाबालि ने उत्तर दिया कि मुझे इस विषय में जो ज्ञान है, वह मैं आपको अवश्य दूंगा। अब पैप्पलाद मुनि की जिज्ञासा बढ़ी। वे जानना चाहे कि ज्ञान सही भी देंगे, या गलत देंगे? उन्होंने पूछा कि इस ज्ञान का स्रोत कौन है?

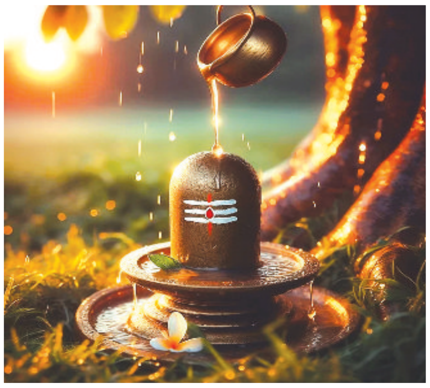

जाबालि ने उत्तर दिया, 'मैंने कार्तिकेय से यह ज्ञान पाया।' फिर दूसरा प्रश्न पैप्पलाद मुनि ने किया कि कार्तिकेय को यह ज्ञान कैसे मिला? जाबालि मुनि ने उत्तर दिया कि यह ज्ञान उन्हें महादेव ने दिया।

अब पैप्पलाद पूछते हैं कि महादेव ने कार्तिकेय को यह ज्ञान क्यों दिया? भगवान जाबालि का उत्तर था कि यह ज्ञान कार्तिकेय ने महादेव की भक्ति के द्वारा प्राप्त किया।

पशुपति ही अहंकार से युक्त होकर जब सांसारिक जीवन में आते हैं, तब पशु कहलाते हैं। पांच कृत्यों से सम्पन्न सर्वज्ञ सर्वेश्वर महेश्वर ही पशुपति हैं। पशु प्रत्येक जीव है। स्वयं पशुपति जब अहंकार से युक्त होकर जीव बनते हैं, वे पशुपति बन जाते हैं।

जीव जब संसार में जन्म लेता है, अहंकार उसे शिव से अलग कर देता है। इस दुःख में कि वह शिव से विभक्त हो रहा है, जीव रोता है।

पैप्पलाद मुनि को मानने में ही दिक्कत हो रही थी कि मनुष्य पशु कैसे बन गया? पशु अपने स्वामी के अधीन है एवं मनुष्य ईश्वर के अधीन है। सर्वज्ञ शिव सबके स्वामी हैं। उनका पूजन करने पर मनुष्य मुक्त हो सकता है।

शिव की उपासना भी कितनी सरल है। शुद्ध मन से एक लोटा जल से अभिषेक कर दिया, हर-हर बम बम कह दिया, शिव प्रसन्न हो गए, लेकिन भारी-भरकम आयोजन करें, परन्तु मन उसमें नहीं है तो शिव का पूजन व्यर्थ है।

शिव परमात्मा हैं एवं जीव (पशु) को बंधन मुक्त होना है तो उसे अहं का त्याग करना होगा, जिसे ओढ़े हुए वह पैदा हुआ था, परन्तु अहंकार तो चिपट जाता है।

खासकर यौवन में, मनुष्य को उस समय लगता है कि वह जो चाहे, वह कर सकता है। लेकिन, जैसे-जैसे समय बीतता है, शरीर थकता है, रोग जकड़ता है और मनुष्य शिव की सुध लेता है। उसे याद आता है कि शिव के पास अमरत्व का कोष है और इतने बरस उसने शिव की सुध नहीं ली। अहंकार को जरा, निर्धनता, कष्ट तोड़ता है या फिर गुरु रूप में शिव तोड़ देते हैं।

शिव कष्टहर्ता हैं, फिर क्या वे जीव को कष्ट दे सकते हैं? परन्तु अहंकार मिटाना भी शिव के ही जिम्मे है। जीव तो धरती पर आकर 'मैं' और 'मेरा' में ऐसा उलझा कि भूल गया कि वह शिव से अलग हो गया है और उसे वापस शिवमय बनना है।

अहंकार कपाल अर्थात् सिर में बसता है। जहां अहंकार होता है, वहां क्रोध, लोभ सब अपने आप आ जाते हैं। ये सब सिर गर्म करने के लिए पर्याप्त हैं, व्यक्ति अपना आपा खोने लगता है।

शिवाभिषेक का रहस्य है कि अपने सिर को शीतल रखना है। शिव के ऊपर जल डालने अर्थात् अभिषेक से पहले अपने सिर को ठंडा करना है, क्योंकि अहंकार हमारी सोच को जर्जर कर रहा है। मनुष्य के जीवन का लक्ष्य है कि वह शिवमय रहे। थोड़ा निर्विकार, थोड़ा नटराज, थोड़ा गृहस्थ, थोड़ा योगी...। शिवमय बनने का अर्थ है- नवरसों से पूर्ण होना। नवरस का संचार होने पर शुष्क मन का सूनापन समाप्त हो जाता है। शिवमय भाव का अर्थ है शांति, किसी बात पर शीघ्रता से उद्वेलित नहीं होना।

श्रावण शिव के परमतत्व को समीप से जानने का मौका है। श्रावण शिव प्रार्थना का समय है। ऊपरी तौर पर की गई प्रार्थना नहीं, बल्कि हृदय की गंगोत्री से निकलने वाली वास्तविक प्रार्थना, क्योंकि श्रावण माह में शिव श्रवण करते हैं।

श्रावण मास मनोकामनाओं की पूर्णता का कल्प है और विधि-विधान सहित प्राण प्रतिष्ठित साधना और विशेष रूप से श्रावण सोमवार को अभिषेक, पूजन, मंत्र जप से शिव आशीर्वाद अवश्य प्राप्त होता है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

बरसात में बढ़ जाता है स्किन एलर्जी का खतरा, ऐसे करें बचाव

बरसात का मौसम जहां एक ओर राहत और ताजगी लाता है, वहीं दूसरी ओर यह कई स्किन एलर्जी और इन्फेक्शन्स का कारण भी बन सकता है। नमी और गंदगी की वजह से त्वचा पर बैक्टीरिया और फंगल इन्फेक्शन्स तेजी से फैल सकते हैं। विभिन्न प्रकार की एलर्जियों के खतरों से बचने के लिए इस मौसम में त्वचा की देखभाल और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। निम्नलिखित उपायों को अपनाकर बरसात में स्किन एलर्जी से बचा जा सकता है:

- त्वचा को साफ रखें : बरसात के मौसम में त्वचा को साफ और सूखा रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौसम में अक्सर उमस और पसीने की वजह से त्वचा पर बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं, जो एलर्जी का कारण बन सकते हैं। रोजाना स्नान करें और स्नान के बाद त्वचा को अच्छी तरह से सूखा लें।

- मॉइस्चराइजर का प्रयोग करें : बरसात में त्वचा की नमी को बनाए रखने के लिए हल्के और नॉन-ग्रीसी मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। इससे त्वचा का नैचुरल बैलेंस बना रहता है और ड्राईनेस से बचा जा सकता है, जो एलर्जी का एक सामान्य कारण है।

- संवेदनशील त्वचा के लिए उत्पाद चुनें : अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो किसी भी नए उत्पाद का उपयोग करने से पहले उसकी जांच कर लें। हाइपोएलर्जेनिक और डर्माटोलॉजिस्ट द्वारा सुझाए गए उत्पादों का ही उपयोग करें, ताकि एलर्जी के खतरे को कम किया जा सके। एंटी फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें।

- गंदे पानी से बचें : बरसात में अक्सर सड़कों पर गंदा पानी जमा हो जाता है। इस पानी में विभिन्न प्रकार के हानिकारक बैक्टीरिया और कीटाणु होते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं। ऐसे पानी से बचें और अगर गलती से संपर्क में आ जाएं, तो तुरंत त्वचा को साफ पानी से धो लें।

- ढीले कपड़े पहनें : गर्म और उमस भरे मौसम में ढीले और हल्के कपड़े पहनना बेहतर होता है। यह पसीने को सोखने में मदद करता है और त्वचा को सांस लेने देता है, जिससे स्किन एलर्जी का खतरा कम होता है। सिंथेटिक कपड़ों से बचें, क्योंकि ये पसीने को सोखते नहीं हैं और जलन का कारण बन सकते हैं।

- संतुलित आहार : संतुलित आहार लेना त्वचा की सेहत के लिए आवश्यक है। बरसात में ताजे फल, सब्जियां और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त आहार त्वचा की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और एलर्जी से बचाव करते हैं।

- साफ-सफाई का ध्यान : बरसात में नमी के कारण घर में फंगस और बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं। इसलिए घर की साफ-सफाई जरूरी है।

- जल्दी सूखने वाले फुटवियर पहनें : बारिश में गीले जूते और मोजे पहनने से पैर की त्वचा में इंफेक्शन हो सकता है। वाटरप्रूफ और जल्दी सूखने वाले फुटवियर का चुनाव करें और गीले जूतों को अच्छी तरह से सुखाएं।

प्रस्तुति : विकास

जानिए, भगवान शिव और रुद्राक्ष उत्पत्ति की कहानी

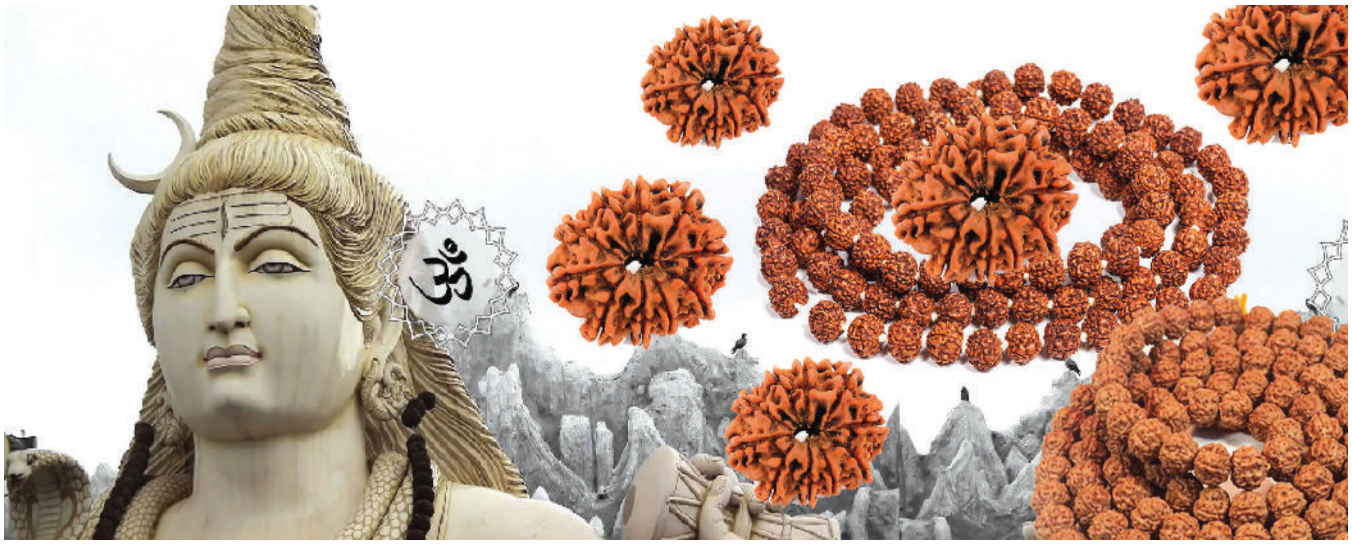

– डॉ. बी. के. मल्लिक
वरिष्ठ लेखक
मो. 9810075792

सनातन धर्म में रुद्राक्ष का प्रयोग भगवान शिव के अंश के रूप में किया जाता है। रुद्राक्ष का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि माना जाता है कि रुद्राक्ष का जन्म भगवान शिव के अश्रुओं से हुआ था। शास्त्रों में इस सन्दर्भ में कई बातों को विस्तार से बताया गया है। भगवान शिव और रुद्राक्ष के संबंध को शास्त्रों में बहुत ही विस्तार से बताया गया है। साथ ही यह भी बताया है कि रुद्राक्ष कैसे उत्पन्न हुआ था। अध्यात्मिक मान्यता है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव का अंश माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई थी। इसलिए शिवजी की उपासना में रुद्राक्ष के प्रयोग को धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। यह मान्यता भी है कि रुद्राक्ष धारण करने वाले व्यक्ति से देवाधिदेव महादेव सर्वाधिक प्रसन्न रहते हैं।

रुद्राक्ष के जन्म से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं। पहली कथा है कि जब त्रिपुरासुर नामक दैत्य को अपनी शक्ति का बहुत घमंड हो गया था। इस वजह से उसने धरती लोक के साथ साथ देव लोक में भी हाहाकार मचा दिया था। त्रिपुरासुर को कोई भी देवता या अस्त्र परास्त नहीं कर पा रहे थे, जिस वजह से वह सभी भोलेनाथ के पास अपनी प्रार्थना लेकर पहुंचे और उन्होंने त्रिपुरासुर के आतंक से मुक्ति के लिए महादेव से विनती की। देवता जब कैलाश पर्वत पर पहुंचे तब उस समय भगवान शिव योग मुद्रा में अपने नेत्रों को बंद कर गहन तप में लीन थे। जब भगवान शिव ने अपना नेत्र खोला तब उनकी आंखों से कुछ अश्रु छलक कर धरती पर गिर गए, जिससे रुद्राक्ष के वृक्ष का जन्म हुआ। जहां-जहां भगवान शिव के आंसू गिरे, वहां-वहां रुद्राक्ष के वृक्ष उग आए। इसलिए रुद्राक्ष को भगवान शिव के तीसरे नेत्र का स्वरूप मानकर पूजा जाता है। इसके बाद भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से त्रिपुरासुर का वध किया और उसके अत्याचारों से सभी को मुक्त कराया।

एक अन्य कहानी है कि जब माता सती ने अग्नि में स्वयं को समाहित कर आत्मदाह किया था। तब महादेव अत्यंत विचलित हो उठे थे और उन्होंने माता सती के शरीर को लेकर तीनों लोकों में विलाप करते हुए विचरण किया था। इस दौरान भगवान शिव जिस-जिस स्थान से गुजरे वहां उनके आंसू गिरते रहे और जहां-जहां भगवान शिव के अश्रु गिरे, वहां-वहां रुद्राक्ष के वृक्ष का जन्म हुआ। वृक्ष में लगे फलों को रुद्राक्ष के नाम से जाना गया।

रुद्राक्ष के हैं 14 प्रकार

भगवान शिव के प्रिय रुद्राक्ष के 14 प्रकार हैं। इनमें से एक मुखी रुद्राक्ष को भगवान शिव का अंश माना जाता है। दो मुखी रुद्राक्ष अर्धनारीश्वर, तीन मुखी रुद्राक्ष को अग्नि का स्वरूप माना जाता है। चार मुखी रुद्राक्ष को ब्रह्म, पांच मुखी रुद्राक्ष को कालाग्नि और 6 मुखी रुद्राक्ष को कार्तिकेय का स्वरूप मानकर पूजा जाता है। इसके साथ 7 मुखी रुद्राक्ष को कामदेव, 8 मुखी रुद्राक्ष को भगवान श्री गणेश और भगवान कालभैरव का स्वरूप माना जाता है। शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि 9 मुखी रुद्राक्ष मां भगवती और शक्ति का स्वरुप है। 10 मुखी रुद्राक्ष दसों दिशाओं और यम हैं, 11 मुखी रुद्राक्ष को साक्षात भगवान रुद्र का स्वरूप माना जाता है। 12 मुखी रुद्राक्ष सूर्य, अग्नि और तेज, 13 मुखी रुद्राक्ष विजय और सफलता और अंत में 14 मुखी रुद्राक्ष को भगवान शंकर का स्वरूप माना गया है।

रुद्राक्ष से जुड़े कुछ चमत्कारी रहस्य

धर्म ग्रंथो में यह बताया गया है कि जिस घर में रुद्राक्ष की पूजा की जाती है, वहां सदैव माता लक्ष्मी वास करती हैं। साथ ही रुद्राक्ष धारण करने वाले व्यक्ति को दीघार्यु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ रुद्राक्ष पहनने से मानसिक परेशानियां व हृदय रोग जैसा खतरा भी टल जाता है। जो व्यक्ति नितदिन रुद्राक्ष की माला से 'ॐ नमः शिवाय' महामंत्र का जाप करता है। उन्हें भगवान शिव का आशीर्वाद जरूर प्राप्त होता है। शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि रुद्राक्ष धारण करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है।

रुद्राक्ष का वैज्ञानिक महत्व

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी रुद्राक्ष को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। रुद्राक्ष में ऐसे वानस्पतिक गुण होते हैं जो शारीरिक जल स्पर्श से विद्युत शक्ति पैदा करते हैं। मंत्रों का जाप करते समय जब उंगलियों में रुद्राक्ष का स्पर्श होता है तो शरीर के अंदर रोग से लड़ने की शक्ति जागृत होती है, जिससे आक्रामक रोगों से मुक्ति प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

बोकारो के घरों में पीएनजी और गाड़ियों में सीएनजी की अब बढ़ेगी उपलब्धता

बीएसएल और इंडियन ऑयल कारपोरेशन के बीच हुआ एकरारनामा

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी टाउनशिप क्षेत्र में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को गैस पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा गैस की आपूर्ति की जाएगी। टाउनशिप क्षेत्र में सिटी गैस पाइप लाइन बिछाने के लिए बीएसएल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (एचआर, अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद, सीजीएम (नगर प्रशासन) कुन्दन कुमार, सीजीएम (टेक्निकल) लक्ष्मी दास, महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) एके सिंह, वरीय प्रबंधक (नगर प्रशासन) एन सिद्दीकी आदि उपस्थित थे। इंडियन आयल कॉर्पोरेशन की ओर से अधिशासी निदेशक (सीजीडी) संजय कुमार झा, सीजीएम (सीजीडी) शैलेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक (सीजीडी) चिन्मय गुहा बिस्वास तथा अन्य अधिकारी इस मौके पर उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि अगस्त, 2020 में ही बीएसएल द्वारा इंडियन आयल को बोकारो स्टील सिटी टाउनशिप क्षेत्र में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सी डी जी) पाइपलाइन लेइंग और लास्ट माइल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर सहित इससे जुड़े तकनीकी सुविधाओं के अधिष्ठापन के लिए कायार्नुमति प्रदान कर दी गई थी।

एमओयू के सम्पन्न हो जाने से अब बोकारो स्टील सिटी टाउनशिप क्षेत्र में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन और वाहनों के लिए सीएनजी आउटलेट की सुविधा के विस्तार में और तेजी आएगी। उल्लेखनीय है कि पीएनजी/सीएनजी हाई कैलोरिफिक वैल्यू का होने के साथ ही सुरक्षित, किफायती, इको-फ्रेंडली और क्लीन फ्यूल होती है, जिससे कार्बन फुटप्रिंट काम करने में भी मदद मिलेगी।

झारखंड में अपराधियों का बढ़ा मनोबल : सिंह

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने रांची में तैनात स्पेशल ब्रांच के दारोगा की कांके रिंग रोड में हुई हत्या की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि अनुपम कच्छप की हत्या राज्य की राजधानी रांची में अपराधियों के बढ़े मनोबल को दर्शाती है। श्री सिंह ने यह भी कहा है कि सिर्फ दारोगा की हत्या का भर मामला नहीं है, आए दिन रातू, नगड़ी व रांची शहर में बढ़ते अपराध की लोग भेंट चढ़ रहे हैं। वहीं, राज्य सरकार मूकदर्शक बने सिर्फ बयानबाजी, आदेश, निर्देश को ही करवाई समझती है। श्री सिंह ने हेमंत सरकार से स्व. अनुपम कच्छप के हत्यारे को गिरफ्तार करते हुए राजधानी सहित झारखंड के लोगों की मुकम्मल सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। श्री सिंह ने यह भी कहा है कि सरकार अगर अपराध को रोकने के प्रति गंभीर नहीं हुई तो झारखंड नवनिर्माण दल प्रदेश में बढ़ते अपराध के खिलाफ और सरकार की नाकामियों को लेकर आंदोलन चलाने को बाध्य होगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं थर्ड फ्रंट, रांची (झारखंड) के मीडिया प्रमुख पंकज मिश्रा ने दारोगा हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की।

पेज- 1 का शेष

झारखंड में...

गया जो कि चार वर्ष पूर्व टूटकर बह गया था और डीवीसी प्रबंधन ने ठेकेदार की मदद से दोनों गेट को लगवाने का कार्य किया था। दोनों गेट के टूट जाने से काफी मात्रा में पानी का बहाव हो रहा है। बोकारो थर्मल में जगह-जगह मिट्टी कटाव के कारण भी परेशानी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगे और भी भारी से भारी बारिश होने के आसार हैं। कई जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि पश्चिम बंगाल के गांगेटिक क्षेत्र में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ था। उसके बाद बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर क्षेत्र भी बन गया, जिसकी वजह से झारखंड में अच्छी बारिश देखने को मिल रही है। आगे भी अच्छी बारिश के आसार हैं।

मृत जल-निकासी व्यवस्था के कारण बढ़ी आफत : दो दिन की बारिश ने बोकारो में एक बार फिर बीएसएल और चास नगर निगम की मृत जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी और खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ा। ठप सीवरेज सिस्टम के कारण बोकारो, चास में बारिश भारी आफत लेकर आई। तमाम नदी-तालाबों का जलस्तर बढ़ गया, नाले उफना गए और सड़कों ने नदियों का रूप ले लिया। निचले इलाके के घरों में चेंबर का पानी नहीं निकल पाने के कारण लोगों के घरों में बारिश और सीवरेज का गंदा पानी घुस गया, जिसे निकालने में लोग पूरे दिन परेशान रहे। लेकिन, बारिश लगातार जारी रहने के कारण उनकी परेशानी जारी रही। सेक्टर-3बी में तो स्थिति नारकीय रही। घरों में पानी घुसने के कारण चौकी-पलंग टापू बना रहा। कहीं-कहीं तो बच्चे घर में भरे पानी मे क्रीड़ा करते भी नजर आए। आलम यह रहा कि किचन की चौखट से पानी की तेज धार लगातार बहती रही। बच्चे, घर की महिलाएं, पुरुष सभी इस पानी के कारण पानी-पानी हो गए। पंप लगाकर पानी निकालने की जद्दोजहद जारी रही, लेकिन जितना निकलता उससे अधिक घर में घुसना जारी रहा। बाथरूम, शौचालय सब सीवरेज के पानी से भर गया, जिससे लोगों को भारी दिक्कतें हुईं।

भारत पूरी दुनिया के लिए आशा की किरण : मोदी

65 वर्षों के बाद देश में कृषि अर्थशास्त्रियों का महाजुटान, 75 देशों के 1000 प्रतिनिधि हुए शामिल

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत दुनिया भर के लिए आशा की किरण है और विश्व-बंधुत्व के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र (एनएएससी) परिसर में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) के उद्घाटन समारोह को श्री मोदी संबोधित कर रहे थे। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए समाधान ढूंढ रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) 65 वर्षों के बाद भारत में हो रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण, बढ़ती उत्पादन लागत और संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर टिकाऊ कृषि की तत्काल आवश्यकता से निपटना है।

सम्मेलन में लगभग 75 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।प्रधानमंत्री ने कृषि और खाद्यान्न के बारे में प्राचीन भारतीय मान्यताओं और अनुभवों की दीघार्यु पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय कृषि परंपरा में विज्ञान और तर्क को दी गई प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने खाद्यान्न के औषधीय गुणों के पीछे संपूर्ण विज्ञान के अस्तित्व का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के उत्थान में योगदान दिया। भारत में कृषि नियोजन में सभी छह मौसमों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों के विशिष्ट गुणों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि देश में लगभग सौ किलोमीटर की यात्रा करने पर कृषि उपज बदल जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'चाहे वहभूमि पर खेती हो, हिमालय, रेगिस्तान, जल-विहीन क्षेत्र या तटीय क्षेत्र, यह विविधता वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और भारत को दुनिया में आशा की किरण बनाती है।

'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य'

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'विश्व बंधु' के रूप में वैश्विक कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने वैश्विक कल्याण के लिए भारत के दृष्टिकोण को याद किया और 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य', 'मिशन लाइफ' और 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य' सहित विभिन्न मंचों पर भारत द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न मंत्रों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारत की आर्थिक नीतियों के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि भारत के 90 प्रतिशत छोटे किसान, जिनके पास बहुत कम जमीन है, भारत की खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं। पीएम ने पोषण चुनौती की गंभीरता को भी स्वीकारा। प्रधानमंत्री ने जल की कमी और जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ पोषण चुनौती की गंभीरता को भी स्वीकार किया। उन्होंने श्री अन्न, मोटा अनाज (मिलेट) को सुपरफूड की 'न्यूनतम पानी और अधिकतम उत्पादन' की गुणवत्ता को देखते हुए समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। मोदी ने भारत के मोटा अनाज को दुनिया के साथ साझा करने की भारत की इच्छा व्यक्त की।

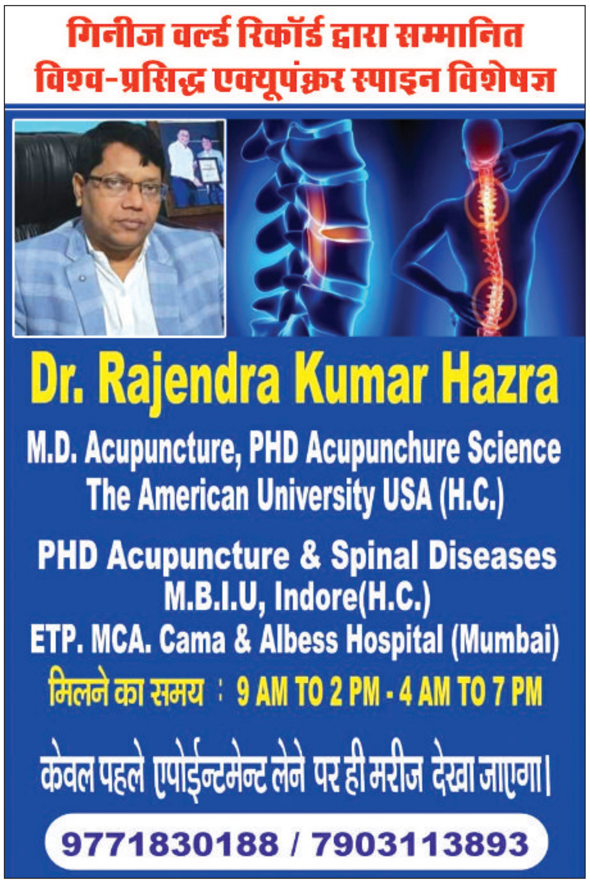

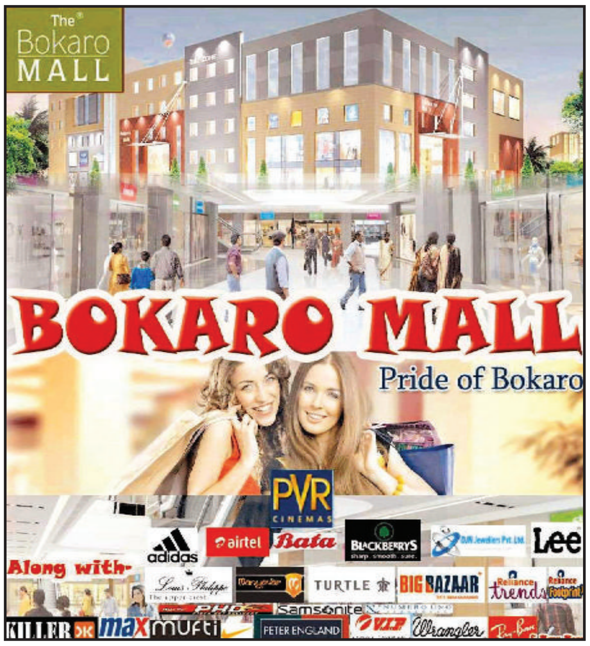

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)